स्नातकोत्तर हिन्दी पाठ्यक्रम

Hindi - PG Syllabus

सत्र	पत्र संख्या	पत्र का नाम	क्रेडिट	अंक
प्रथम सत्र	HIN-PG-C101	हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	4	100
	HIN-PG-C102	आदिकाल एवं आदिकालीन काव्य	4	100
	HIN-PG-C103	आधुनिक काव्य	4	100
	HIN-PG-C104	हिंदी कथा साहित्य एवं निबंध	4	100
द्वितीय सत्र	HIN-PG-C201	हिंदी साहित्य का मध्यकाल	4	100
	HIN-PG-C202	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	100
	HIN-PG-C203	मध्यकालीन काव्य	4	100
	HIN-PG-O204	प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार	4	100
तृतीय सत्र	HIN-PG-C301	आधुनिक काल	4	100
	HIN-PG-O302	कविता, कहानी एवं अन्य विधाएँ	4	100
	HIN-PG-E303	**क.** हिंदी मीडिया और पत्रकारिता	4	100
		ख. आधुनिक साहित्य चिंतन एवं हिंदी आलोचना	4	100
	HIN-PG-E304	**क.** हिंदी नाटक और रंगमंच	4	100
		ख. समकालीन हिंदी काव्य	4	100
चतुर्थ सत्र	HIN-PG-E401	**क.** सिक्किम का लोक साहित्य एवं संस्कृति	4	100
		ख. आधुनिक भारतीय साहित्य	4	100
	HIN-PG-E402	**क.** आधुनिक विमर्श	4	100
		ख. तुलनात्मक भारतीय साहित्य एवं शैक्षणिक क्षेत्र कार्य एवं सर्वेक्षण	4	100
	HIN-PG-E403	**क.** हिंदी सिनेमा और साहित्य	4	100
		ख. पर्यावरण शिक्षा एवं हिंदी काव्य	4	100
	HIN-PG-C404	लघुशोध प्रबंध	4	100

प्रथम सेमेस्टर

HIN-PG-C101

हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: हिंदी भाषा का विकास एवं हिन्दी की जनपदीय भाषाएँ :

क. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश,अवहट,साहित्य और पुरानी हिंदी का संगम)

ख. मध्यकाल के दौरान ब्रज का काव्य भाषा के रूप में विकास

ग. मध्यकाल के दौरान अवधी का काव्य भाषा के रूप में विकास

घ. साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास

इकाई II: हिन्दी रूपरचना एवं देवनागरी लिपि :

क. हिन्दी संज्ञा, वचन, लिंग, प्रत्यय एवं उपसर्ग, हिन्दी कारक चिह्न

ख. हिन्दी सर्वनाम पदों एवं विशेषण की रचना और विकास

ग. हिन्दी क्रिया : धातु, कृदंत, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया, यौगिक क्रिया, अकर्मक और सकर्मक क्रिया

घ. देवनागरी लिपि: परिचय, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई III: **क.** भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण

ख. भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली

ग. भाषा-विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ

घ. भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध

इकाई IV: **क.** वाक्य-विज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण,

ख. ध्वनि-विज्ञान – ध्वनि अध्ययन के आयाम : उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

ग. स्वनिम विज्ञान, रूप-विज्ञान : अवधारणा

घ. अर्थ-विज्ञान : अवधारणा एवं परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. तिवारी, भोलानाथ, 1980 ई. - **हिन्दी भाषा :** किताब महल, इलाहाबाद
2. गुरु, कामता प्रसाद, 2013 ई. - **हिन्दी व्याकरण :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. श्रीवास्तव, रवीन्द्रनाथ, 2008 ई. - **हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. चौधरी, अनंतलाल, 2005 ई. - **नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी :** बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना

5. तिवारी, उदय नारायण, 2016 ई. -**हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास :** राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
6. बाहरी, हरदेव, 2002 ई. - **हिन्दी उद्भव विकास और रूप :** किताब महल, इलाहाबाद
7. शर्मा, रामकिशोर, 2011 ई. - **आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त :** लोकभारती, इलाहाबाद
8. तिवारी, भोलानाथ, 2013 ई. - **भाषा-विज्ञान :** किताब महल, दिल्ली
9. शर्मा, देवेन्द्रनाथ, 2010 ई. - **भाषा-विज्ञान की भूमिका :** अनुपम प्रकाशन, पटना
10. त्रिवेदी, कपिलदेव, 2014 ई. - **भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र :** विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

HIN-PG-C102

आदिकाल एवं आदिकालीन काव्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: **क.** साहित्य, इतिहास, साहित्येतिहास
ख. साहित्येतिहास की उपयोगिता
ग. काल विभाजन आवश्यकता और आधार
घ. नामकरण आवश्यकता और आधार

इकाई II : **क.** आदिकाल : परिचय
ख. आदिकालीन परिस्थितियाँ
ग. आदिकालीन प्रवृत्तियाँ
घ. आदिकाल : नामकरण की समस्याएँ

इकाई III: **क.** वीरगाथा काव्य
ख. रासो काव्य की प्रामाणिकता
ग. नाथों, जैनों और सिद्धों का काव्य,
घ. लौकिक साहित्य एवं आदिकालीन गद्य साहित्य

इकाई IV: आदिकालीन काव्य - सं.- वासुदेव सिंह
क. चंदबरदाई -पद्मावती समय
ख. व्याख्या एवं आलोचना
ग. विद्यापति के गीत - (गीत संख्या- 1,3,4,10,17)
घ. व्याख्या एवं आलोचना

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. पांडेय, मैनेजर, 2009 ई. - **साहित्य और इतिहास दृष्टि :** वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सिंह, नामवर, 2010 ई. - **इतिहास और आलोचना :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सिंह, बच्चन, 2015 ई. - **हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

4. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 1980 ई. - **हिन्दी साहित्य का आदिकाल :** बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
5. पांडेय, शंभूनाथ, 2010 ई. - **आदिकालीन हिन्दी साहित्य :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. गुप्त, माता प्रसाद, 1962 ई. - **रासो साहित्य विमर्श :** साहित्य भवन, इलाहाबाद
7. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र, 2015 ई. - **हिन्दी साहित्य का इतिहास :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. डा॰ नगेंद्र, 2013 ई. - **हिन्दी साहित्य का इतिहास,** मयूर पब्लिकेशन, नोएडा
9. शर्मा, आचार्य नलिन विलोचन, 1997 ई. - **हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन :** बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
10. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, 2011 ई. - **हिंदी साहित्य: उद्भव एवं विकास :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2010 ई. - **हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास** : राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
12. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद, 2008 ई. - **हिंदी साहित्य की भूमिका :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-PG-C103

आधुनिक काव्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: साकेत : मैथिलीशरण गुप्त,

i. नवम सर्ग

इकाई II: कामायनी : जयशंकर प्रसाद, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

i. चिंता सर्ग **ii.** श्रद्धा सर्ग

इकाई III: राग विराग : सं. राम विलास शर्मा

i. राम की शक्ति पूजा

इकाई IV : **क.** दीप शिखा : महादेवी वर्मा

i. पंथ होने दो अपरिचित **ii.** यह मंदिर का दीप

ख. पल्लव - सुमित्रानंदन पंत

i. मौन निमंत्रण **ii.** परिवर्तन

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. मुक्तिबोध, 2015 ई. - **कामायनी - एक पुनर्विचार :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. सिंह, नामवर, 2016 ई. - **कविता के नए प्रतिमान :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमशंकर, 2003 ई. - **प्रसाद का काव्य :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. सिंह, दूधनाथ, 2010 ई. - **निराला एक आत्महंता आस्था :** लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. सिंह, विजय बहादुर, 2000 ई. - **प्रसाद निराला पन्त :** स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली
6. मदान, इन्द्रनाथ, 2009 ई. - **महादेवी :** राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. सिंह, नामवर, 2014 ई. - **छायावाद :** राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
8. मैथिलीशरण गुप्त, 2013 ई. - **साकेत :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
9. प्रसाद, जयशंकर, 1997 ई. - **कामायनी** : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. शर्मा, रामविलास (संपादक), 1996 ई. **- राग विराग** : लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
11. वर्मा, महादेवी, **दीप शिखा** : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. पंत, सुमित्रानंदन, 1993 ई. - **पल्लव** : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-PG-C104

हिन्दी कथा साहित्य एवं निबंध

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: उपन्यास :

क. गोदान - प्रेमचंद

इकाई II कहानी : कथान्तर- परमानंद श्रीवास्तव

क. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी

ख. आकाश दीप - जयशंकर प्रसाद

ग. लाल पान की बेगम- फणीश्वरनाथ रेणु

घ. वापसी- उषा प्रियंवदा

इकाई III: निबंध : क. चिंतामणि - रामचंद्र शुक्ल

i. भाव या मनोविकार **ii.** कविता क्या है ?

ख. अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी

i. अशोक के फूल **ii.** कुटज

इकाई IV: प्रतिनिधि गद्य विधाएँ- शंकरलाल शर्मा

क. मौत के मुहं में - श्रीराम शर्मा

ख. मेरी मास्को यात्रा - नगेन्द्र

ग. राजनीति का बँटवारा - हरिशंकर परसाई

घ. रसायन और हमारा पर्यावरण **-** एन.एल. रामनाथन

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. तिवारी, रामचन्द्र, 2016 ई. - **हिन्दी का गद्य साहित्य :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. शर्मा, रामविलास, 2008 ई. - **प्रेमचंद और उनका युग :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अवस्थी, सं. देवीशंकर, 2010 ई. - **नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. मिश्र, सत्य प्रकाश, 2007 ई. - **गोदान का मूल्यांकन :** नई कहानी प्रकाशक, इलाहाबाद
5. मिश्र, राम दरश, 2011 ई. - **हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान :** वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. सिंह, प्रो नामवर, **कहानी - नई कहानी :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. शर्मा, रामविलास राजकमल, 2009 ई. **आ. रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. राय, गोपाल, 2016 ई. - **हिंदी उपन्यास का इतिहास :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. कृष्णमोहन, 2010 ई. - **कहानी समय :** शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली
10. तिवारी, रामचन्द्र, 2013 ई. - **हिंदी निबंध और निबंधकार :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीय सेमेस्टर

HIN-PG-C201

हिन्दी साहित्य का मध्यकाल

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: **क.** भक्ति आन्दोलन का उदय

ख. परिस्थितिजन्य कारण एवं विकास

ग. भक्ति काव्य स्वरुप और भेद

घ. भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरुप और उसका अंत:प्रादेशिक सम्बन्ध,

इकाई II: निर्गुण काव्यधारा :

क. संत काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ,

ख. वैचारिक आधार एवं विशिष्ट कवि

ग. सूफी काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

घ. विशिष्ट कवि

इकाई III: सगुण काव्यधारा :

क. कृष्ण काव्य धारा और अष्टछाप का परिचय

ख. प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशिष्ट कवि

ग. राम काव्य धारा का परिचय

घ. प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशिष्ट कवि

इकाई IV: क. रीतिकाल की परिस्थितियाँ

ख. नामकरण

ग. प्रमुख प्रवृत्तियाँ

घ. विभिन्न धाराएँ एवं विशिष्ट कवि

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. मिश्र, शिव कुमार, 2010 ई. - **भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2010 ई. - **हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास :** राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
3. सिंह, बच्चन, 2015 ई. - **हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. शुक्ल, रामचन्द्र, 2015 ई. - **हिन्दी साहित्य का इतिहास** : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 2011 ई. - **हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास** : राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
6. डा॰ नगेंद्र, 2010 ई. - **रीति काव्य की भूमिका** : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2012 ई. - **हिंदी काव्य का इतिहास** : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. प्रेमशंकर, 2003 ई. - **भक्तिकाव्य की भूमिका** : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र, 2009 ई. - **त्रिवेणी :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

HIN-PG-C202

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: क. भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास

ख. काव्य अर्थ, लक्षण

ग. प्रयोजन एवं हेतु

घ. रस संप्रदाय - रस का स्वरूप, अवयव, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

इकाई II: क. अलंकार संप्रदाय : स्वरूप एवं भेद

ख. रीति संप्रदाय : स्वरूप एवं भेद

ग. ध्वनि संप्रदाय : स्वरूप एवं भेद

घ. वक्रोक्ति संप्रदाय एवं औचित्य संप्रदाय : स्वरूप एवं भेद

इकाई III: **क.** पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय

ख. प्लेटो : काव्य दृष्टि

ग. अरस्तू : काव्य चिंतन अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत

घ. लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई IV: **क.** टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

ख. आई. ए रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत

ग. क्रोचे : अभिव्यंजना सिद्धांत

घ. कालरिज : कल्पना की अवधारणा

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. मिश्र, भगीरथ, 2006 ई. - **काव्यशास्त्र :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. मिश्र, राम दहिन, 2010 ई. - **काव्य दर्पण :** साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. मिश्र, शोभाकांत, 2013 ई. - **भारतीय काव्य-चिंतन :** अनुपम प्रकाशन, पटना
4. डा॰ नगेंद्र, 2000 ई. - **काव्यशास्त्र की भूमिका :** नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. नगेंद्र, 2010 ई. - **रस-सिद्धांत :** नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. दीक्षित, आनंद प्रकाश, 1960 ई. - **रस सिद्धांत : स्वरूप विश्लेषण :** राजकमल, दिल्ली
7. मिश्र, शोभाकांत, 2010 ई. - **अलंकार-धारणा-विकास और विश्लेषण :** बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
8. गुप्त, गणपति चंद, 2011 ई. - **भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांत :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. द्विवेदी, राम अवध, 2010 ई. - **साहित्य सिद्धांत :** बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्
10. उपाध्याय, डॉ विश्वम्भर नाथ, 1999 ई. - **भारतीय काव्यशास्त्र :** वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
11. मिश्र, भगीरथ, 2010 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. गुप्त, शांतिस्वरूप, 2001 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत** : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
13. शर्मा, देवेंद्रनाथ, 2010 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** अनुपम प्रकाशन, पटना,
14. जैन, निर्मला, 2014 ई. - **पाश्चात्य साहित्य चिंतन :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

HIN-PG - C 203

मध्यकालीन काव्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: क. कबीर : कबीर ग्रंथावली - श्यामसुंदर दास

- पद संख्या - 11,16, 23, 39, 43

ख. जायसी : जायसी ग्रंथावली, सं. -आचार्य रामचंद्र शुक्ल

- नागमती वियोग खंड (3 से 19)

इकाई II: क. सूरदास : 'भ्रमरगीतसार'- रामचन्द्र शुक्ल

- पद संख्या - 23, 24, 28, 39, 58

ख. तुलसीदास - रामचरित मानस

- (अयोध्या कांड, प्रारंभ के 10 कड़वक)

इकाई III: क. बिहारी-रत्नाकर : संपादक - जगन्नाथ दास रत्नाकर,

- पद संख्या - 1, 11, 25, 42, 60, 121, 300, 381, 472

ख. केशवदास- रामचंद्रिका के अंतर्गत "वनमार्ग में राम"

इकाई IV: क. घनानन्द - कवित : संपादक - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

- आरंभ के 10 छंद

ख. मध्ययुगीन काव्य : सम्पादक - ब्रजनारायण सिंह

- **भूषण-** दोहा संख्या -5,6,10,11,14

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 2010 ई. - **कबीर :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. चतुर्वेदी, परशुराम, 1995 ई. - **कबीर साहित्य की परख :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. सं. शुक्ल, रामचंद्र**,** 1980 ई. - **जायसी ग्रंथावली :** विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
4. शर्मा, हरवंशलाल, 2000 ई. - **सूर और उनका साहित्य :** भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
5. वर्मा, ब्रजेश्वर, 2010 ई. **सूरदास :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. शाही**,** विजय देव नारायण, 1996 ई. -**जायसी :** हिन्दुस्तानी अकेडमी, इलाहाबाद
7. पाण्डेय, डॉ.मैनेजर, 2010 ई. - **भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य :** वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. त्रिपाठी, विश्वनाथ, 2013 ई. - **लोकवादी तुलसीदास :** राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. तिवारी, रामचंद्र, 2000 ई. - **रीतिकाव्य धारा :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. सिंह, डा॰ बच्चन, 2011 ई.- **बिहारी का नया मूल्यांकन :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

11. गौड़, मनोहर लाल, 1997 ई. - **घनानन्द और स्वछंद काव्य धारा :** नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
12. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ, 2010 ई. - **हिंदी साहित्य का अतीत, भाग 1-2 :** वाणी प्रकाशन, वाराणसी

HIN-PG - O 204

प्रयोजनमूलक हिंदी एवं अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I : क. प्रयोजनमूलक हिंदी : सामान्य परिचय
ख. सामान्य हिंदी, साहित्यिक हिंदी, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क-भाषा,
ग. राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति,
घ. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम - कार्यालयी हिंदी, मीडिया की हिंदी, वाणिज्य, विज्ञापन और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की हिंदी,

इकाई II : कार्यालयीन हिंदी के व्यावहारिक पक्ष एवं पारिभाषिक शब्दावली :
क. पत्र लेखन, प्रारूप लेखन, टिप्पण, प्रतिवेदन,ज्ञापन
ख. परिपत्र, अधिसूचना, सूचना, कार्यालय आदेश
ग. पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व,
घ. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत और प्रक्रिया

इकाई III : क. अनुवाद : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, विशेषताएँ एवं सीमाएँ
ख. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि
ग. नाइडा के अनुवाद प्रक्रिया के विविध चरण
घ. अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति

इकाई IV : क. अनुवाद की समस्याएँ – साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद
ख. पूर्वोत्तर भारतीय भाषाओं में हिंदी अनुवाद की स्थिति एवं समस्याएँ
ग. हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद
घ. अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. श्रीवास्तव, रवीन्द्र कुमार, 2006 ई. - **प्रयोजनमूलक हिंदी :** केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
2. भाटिया, कैलाश चन्द्र, 2010 ई. - **राजभाषा हिंदी :** हिंदी पुस्तक केंद्र, दिल्ली

3. पाण्डेय, कैलाशनाथ, 2010 ई. - **प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. टंडन, पूरनचंद, 2000 ई. - **प्रशासनिक हिंदी :** पाण्डुलिपि प्रकाशन, दिल्ली
5. श्रीवास्तव, गोपीनाथ, 2008 ई. - **सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. झाल्टे, दंगल, 2013 ई. - **प्रयोजनमूलक हिंदी :** सिद्धांत और प्रयोग : वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चंद्र , 2010 ई. - **अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग ,** तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
8. तिवारी, भोलानाथ, 2003 ई. - **अनुवाद विज्ञान :** शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
9. टंडन, पूरनचंद, **अनुवाद के विविध आयाम :** तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
10. नगेंद्र, 2010 ई. - **अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग :** नेशनल पाब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली
11. गोपीनाथन, जी., 1990 ई. - **अनुवाद : सिद्धान्त और प्रयोग :** भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
12. चमोला, दिनेश, 2004 ई. - **अनुवाद और अनुप्रयोग :** अदिश प्रकाशन, देहरादून

तृतीय सेमेस्टर

HIN-PG-C 301

आधुनिक काल

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I : क. आधुनिक काल : आधुनिकता की अवधारणा
ख. आधुनिक काल : परिस्थितियाँ
ग. हिंदी नवजागरण
घ. हिंदी गद्य का विकास

इकाई II : आधुनिक काव्य के विभिन्न सोपान :
क. भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
ख. प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
ग. नई कविता, साठोत्तरी कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ
घ. समकालीन कविता : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई III : गद्य की विविध विधाएँ :
क. कहानी, उपन्यास : उद्भव और विकास
ख. नाटक, एकांकी : उद्भव और विकास
ग. निबंध, रेखाचित्र : उद्भव और विकास
घ. आलोचना, संस्मरण : उद्भव और विकास

इकाई IV : गद्य की अन्य विधाएँ :

क. जीवनी : उद्भव और विकास

ख. आत्मकथा : उद्भव और विकास

ग. यात्रा वृतांत : उद्भव और विकास

घ. रिपोर्ताज : उद्भव और विकास

संदर्भ ग्रन्थ

1. सिंह, नामवर, 2004 ई. - **आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ :** लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. शर्मा, रामविलास, 2000 ई. - **लोक जागरण और हिंदी साहित्य :** वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, 2010 ई. - **हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास :** राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
4. तिवारी, रामचन्द्र, 2013 ई. - **हिंदी का गद्य साहित्य :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. सिंह, बच्चन, 2015 ई. - **हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. शुक्ल, आचार्य रामचन्द्र, 2015 ई. -**हिंदी साहित्य का इतिहास :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 2011 ई. -**हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास,** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. नगेंद्र, 2013 ई. - **हिंदी साहित्य का इतिहास :** मयुर पेपर पब्लिकेशंस, नोएडा
9. तिवारी, अर्जुन, 2010 ई. - **हिंदी पत्रकारिता :** वाणी प्रकाशन, दिल्ली

HIN-PG-O302

कविता, कहानी और अन्य विधाएँ

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: कविता :

क. कबीरदास- 10 दोहे. पाठ्य-पुस्तक- पद्य-मंजरी (सं. डॉ. टी. निर्मला)
रहीमदास- 10 दोहे. पाठ्य-पुस्तक- पद्य-मंजरी (सं. डॉ. टी. निर्मला)

ख. जयशंकर प्रसाद- हमारा प्यारा भारतवर्ष, पाठ्य-पुस्तक- पद्य-मंजरी (सं. डॉ. टी. निर्मला)

ग. महादेवी वर्मा- जाग तुझको दूर जाना, पाठ्य-पुस्तक- पद्य-मंजरी (सं. डॉ. टी. निर्मला)
हरिवंश राय बच्चन- आज फिर से तुम बुझा दीपक जलाओ, (पाठ्य-पुस्तक- काव्य-तरंग, सं. निर्मला ठाकुर)

घ. केदारनाथ अग्रवाल- जो जीवन की धूल चाटकर बड़ा हुआ है, (पाठ्य-पुस्तक- काव्य-तरंग, सं. निर्मला ठाकुर)

इकाई II: कहानी :

क. प्रेमचंद- ईदगाह, (पाठ्य-पुस्तक- कहानी विविधा, सं. देवीशंकर अवस्थी)

ख. चंद्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था, (पाठ्य-पुस्तक- कहानी विविधा, सं. देवीशंकर अवस्थी)

ग. जैनेन्द्र कुमार- एक गौ, (पाठ्य-पुस्तक- कहानी विविधा, सं. देवीशंकर अवस्थी)

घ. भगवतीचरण वर्मा- मुगलों ने सल्तनत बख्श दी, (पाठ्य-पुस्तक- कहानी विविधा, सं. देवीशंकर अवस्थी)

इकाई III: रेखाचित्र और संस्मरण :

क. महादेवी वर्मा- लक्षमा (रेखाचित्र), (पाठ्य-पुस्तक- हिंदी के श्रेष्ठ रेखाचित्र, सं. चौथीराम यादव)

ख. हरिशंकर परसाई- आदमी का बच्चा, (पाठ्य-पुस्तक- हिंदी के श्रेष्ठ रेखाचित्र, सं. चौथीराम यादव)

इकाई IV : **निबंध तथा अन्य विधाएं** :

क. बालमुकुन्द गुप्त- शिवशम्भू के चिट्ठे, (पाठ्य-पुस्तक- गद्य के रूप, संपादक- रमेश गौतम)

ख. राहुल संकृत्यायन- तिब्बत की सीमा पर, (पाठ्य-पुस्तक- हिंदी के श्रेष्ठ रेखाचित्र, संपादक- चौथीराम यादव)

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. निर्मला, डॉ. टी. (संपादक), 2016 ई. - पद्य-मंजरी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अवस्थी, देवीशंकर (संपादक), 2016 ई. - कहानी विविधा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. यादव, चौथीराम (संपादक), 2006 ई. - हिंदी के श्रेष्ठ रेखाचित्र : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. गौतम, रमेश (संपादक), 2016 ई. - गद्य के रूप : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-PG-E 303

क. हिंदी मीडिया और पत्रकारिता

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: **क.** मीडिया : अवधारणा और स्वरूप

ख. मीडिया के प्रकार (प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन,ऑनलाइन) :

ग. प्रिंट लेखन : समाचार-पत्र लेखन के विविध रूप – प्रेस-विज्ञप्ति, फीचर

घ. साक्षात्कार, स्तम्भ-लेखन,

इकाई II : **क.** रेडियो – टेलीविजन लेखन : समाचार लेखन, रेडियो फीचर, रेडियो नाटक, कार्यक्रम प्रस्तुति,

ख. टेलीविजन लेखन, पटकथा लेखन, कार्यक्रम प्रस्तुति

ग. ऑनलाइन लेखन : सामान्य परिचय – चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ,

घ. ब्लॉग लेखन, वेबसाइट लेखन, सोशल मीडिया लेखन (फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सैप आदि)

इकाई III: **क.** हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप, स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता

ख. हिंदी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ

ग. 21 वीं सदी मे पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां एवं दायित्व

घ. पत्रकारिता का व्यवसायीकरण, मीडिया और समाज

इकाई IV: क. हिंदी के प्रमुख पत्रकार : स्वतंत्रता पूर्व और स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकार

ख. हिंदी पत्रकारिता : दशा – दिशा, स्वामित्व का प्रश्न,

ग. आचार संहिता

घ. पेड - न्यूज, भारतीय प्रेस परिषद

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. मिश्र, : चंद्रप्रकाश, 2010 ई - **मीडिया लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार** : संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जोशी, मनोहर श्याम , 2008 ई - **पटकथा लेखन-एक परिचय** : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. त्रिखा, नंद किशोर, 2005 ई. - **समाचार संकलन और लेखन** : उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
4. मानस, मुकेश, 2015 ई. - **मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग** : हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
5. अरोड़ा, हरीश, 2001 ई. - **इलेक्ट्रोनिक मीडिया लेखन** : के. के. पब्लिकेशन, अंसारी रोड, दिल्ली
6. भण्डारी, मन्नू, 2007 ई. - **पटकथा लेखन** : राजकमल प्रकाशन , दिल्ली
7. जोशी, ज्योतिष, 2008 ई. - **साहित्यिक पत्रकरिता** : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. शर्मा, राम अवतार, 2005 ई. - **हिंदी पत्रकारिता और साहित्य** : नमन प्रकाशन, दिल्ली
9. मिश्र, कृष्णबिहारी, 2006 ई. - **हिंदी पत्रकारिता** : भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
10. रॉबिन्स, जेफ्री, 2005 ई. - **भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास** : हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली
11. जोशी, रामशरण, 2011 ई. - **मीडिया मिशन से बाजारीकरण तक** : वाग्देवी प्रकाशन, जयपुर
12. वैदिक, वेद प्रताप, 2012 ई. - **हिंदी पत्रकारिता – विविध आयाम** : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
13. जोशी, रामशरण, 2008 ई. - **मीडिया– विमर्श** : सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

HIN-PG-E303

ख. आधुनिक साहित्य चिंतन एवं हिंदी आलोचना

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I : वाद, अवधारणा एवं स्वरूप :

क. मार्क्सवाद

ख. मनोविश्लेषणवाद

ग. अस्तित्ववाद

घ. गांधीवाद

इकाई II : वाद, अवधारणा एवं स्वरूप :

क. यथार्थवाद

ख. विखंडनवाद

ग. संरचनावाद

घ. उत्तर-आधुनिकतावाद

इकाई III : हिंदी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा दृष्टि –

क. रामचंद्र शुक्ल

ख. हजारी प्रसाद द्विवेदी

ग. नंददुलारे वाजपेयी

घ. रामविलास शर्मा

इकाई IV: हिंदी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा दृष्टि -

क. अज्ञेय

ख. मुक्तिबोध

ग. नगेन्द्र

घ. नामवर सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. मिश्र, भगीरथ, 2010 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. गुप्त, शांतिस्वरूप, 2005 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत** : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
3. शर्मा, देवेंद्रनाथ, 2008 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र :** अनुपम प्रकाशन, पटना,
4. बाली, तारकनाथ, 2013 ई. - **पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास :** शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
5. जैन, निर्मला, 2005 ई. - **पाश्चात्य साहित्य चिंतन :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, 2015 ई. - **हिंदी आलोचना :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
7. नवल, नन्द किशोर, 2011 ई. - **हिंदी आलोचना का विकास :** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
8. पचौरी, सुधीश, 2014 ई. - **उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद :** वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

HIN-PG-E304

क. हिंदी नाटक और रंगमंच

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I : क. नाटक और रंगमंच का स्वरूप

ख. हिंदी रंगमंच का इतिहास

ग. भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य दृष्टि : पृथ्वी थिएटर, इप्टा, आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, रंग-संस्थाएं,

घ. प्रमुख पारंपरिक नाट्य-रूप: रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी, ख्याल आदि

इकाई II : ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद

इकाई III : आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

इकाई IV : एकांकी सप्तक- चंपा श्रीवास्तव

क. स्ट्राइक- भुवनेश्वर

ख. नए मेहमान - उदयशंकर भट्ट

ग. औरंगजेब की आखरी रात - रामकुमार वर्मा

घ. सीमा रेखा - विष्णु प्रभाकर

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. जैन, नेमिचन्द्र, 2005 ई. - **रंगमंच :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. वात्स्यायन, कपिला, 2013 ई. - **पारंपरिक भारतीय रंगमंच :** नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. माथुर, जगदीशचन्द्र, 2004 ई. - **पारंपरिक नाट्य :** नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, 1990 ई. -**नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. तनेजा, जयदेव**,** 2015 ई. - **समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. ओझा, दशरथ, 2008 ई. - **हिंदी नाटक : उद्भव और विकास,** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. सिंह, बच्चन, 2013 ई. - **हिंदी नाटक :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

HIN-PG-E304

ख. समकालीन हिंदी काव्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: क. नागार्जुन- गुलाबी चूड़ियाँ, प्रेत का बयान

ख. अज्ञेय- कलगी छरहरे बाजरे की

इकाई II: क. मुक्तिबोध- अँधेरे में (पाठ्यांश- 1, 4, तथा 8 का उत्तरार्द्ध)

ख. धर्मवीर भारती- अँधा युग, पाठ्यांश- समापन (प्रभु की मृत्यु)

इकाई III: क. कुंवर नारायण- नचिकेता

ख. रघुवीर सहाय- रामदास

ग. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- तुम्हारे साथ रहकर

घ. भागवत रावत - हीरामन

इकाई IV : **क. वीरेन डंगवाल**- हमारा समाज, उजले दिन (संग्रह- दुष्चक्र के सृष्टा)

ख. अरुण कमल- केवल धार, हमारे युग का नायक

ग. आलोक धन्वा- भागी हुई लड़कियां

घ. राजेश जोशी- बच्चे काम पर जा रहे हैं , संयुक्त परिवार

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. डंगवाल, वीरेन, 2011 ई.- दुष्चक्र में सृष्टा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नवल, नन्द किशोर, 2005 : मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, 2006 ई. - समकालीन हिंदी कविता : वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. मोहन, नरेंद्र, 2016 ई. - समकालीन कविता के बारे : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कुमार, विजय, 2011 ई. - सदी के अंत में कविता : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. श्रीवास्तव, परमानंद, 2010 ई. - समकालीन कविता का यथार्थ : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. शर्मा, रामविलास, 1990 ई.- नई कविता और अस्तित्ववाद : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर

HIN-PG-E401

क. सिक्किम का लोक साहित्य एवं संस्कृति

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: क. लोक, लोक साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

ख. लोक और संस्कृति

ग. लोक और साहित्य का संबंध,

घ. लोक साहित्य का महत्व

इकाई II: पूर्वोत्तर के लोक साहित्य का अध्ययन :

क. सामान्य परिचय

ख. लोकगीत

ग. लोककथा

घ. लोकगाथा, कहावतें

इकाई III: क. सिक्किम का सामान्य परिचय

ख. सामाजिक परिदृश्य

ग. साहित्यिक परिदृश्य

घ. सांस्कृतिक परिदृश्य

इकाई IV: सिक्किम का लोक साहित्य :

क. सामान्य परिचय

ख. लोकगीत

ग. लोककथा, लोकगाथा

घ. कहावतें - संग्रह एवं सर्वेक्षण

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. उपाध्याय, कृष्णदेव, 2012 ई. - **लोक साहित्य की भूमिका** : साहित्य भवन, इलाहाबाद
2. सत्येन्द्र, 2010 ई. - **लोक साहित्य का विज्ञान** : वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रसाद, दिनेश्वर, 2003 ई. - **लोक साहित्य और संस्कृति** : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. दुबे, श्याम शंकर, 2005 ई. - **लोक परंपरा : पहचान एवं प्रवाह** : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. सिंह, शरद, 2013 ई. - **भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोक-कथाएँ** : एनबीटी, नई दिल्ली
6. गुप्ता, रमणिका, 2011 ई. - **पूर्वोत्तर : आदिवासी सृजन मिथक एवं लोक कथाएँ** : एनबीटी, नई दिल्ली
7. चौधुरी, भूपेन्द्र राय, 2009 ई. - **असमिया लोक साहित्य की भूमिका** : असम हिंदी प्रकाशन, गुवाहाटी
8. □काल, बालण शंकरदेव, 2015 ई. - **सिक्किम के पारंपरिक लोक नाट्य** : - ज्ञान प्रकाशन, सिलीगुड़ी

HIN-PG-E401

ख. आधुनिक भारतीय साहित्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

सभी मूल से हिंदी में अनुदित कृतियाँ ही पाठ्यक्रम में सम्मिलित है ।

इकाई I: **क.** सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत

ख. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप

ग. बहुभाषिकता और भारतीय साहित्य

घ. बहु-सांस्कृतिकता और भारतीय साहित्य

इकाई II: उपन्यास : शव काटने वाला आदमी, लेखक- येशे दोरजी थोङची, अनुवादक- दिनकर कुमार

इकाई III: नाटक : पागल घोड़ा - बादल सरकार अनुवादक- प्रतिभा अग्रवाल

इकाई IV: कविता : आधुनिक भारतीय कविता, संपादक- अवधेश नारायण मिश्र, नंदकिशोर पाण्डेय (तमिल, तेलगू, कन्नड , मलयालम, उड़िया, बंगला, मणिपुरी, उर्दू, पंजाबी तथा गुजराती भाषाओं के किसी एक प्रमुख कवि का सामान्य परिचय एवं कविता का पाठ)

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. थोंग्ची, येशे दोरजी, (अनुवादक- दिनकर कुमार) **शव काटने वाला आदमी :** वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. डॉ नगेन्द्र, 2009 ई. - **भारतीय साहित्य** : साहित्य अकादेमी, दिल्ली
3. डॉ नगेन्द्र, 1999 ई. - **भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास** : वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली
4. मिश्र, राजेन्द्र, 2001 ई. - **भारतीय साहित्य की अवधारणा** : तक्षशिला प्रकाशन नयी दिल्ली
5. शर्मा, रामविलास, 2000 ई. - **भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ** : वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली
6. मिश्र, अवधेश नारायण मिश्र (संपादक), **आधुनिक भारतीय कविता** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-PG-E402

क. आधुनिक विमर्श

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I : **क.** विमर्श की अवधारणा :
ख. स्त्री विमर्श
ग. दलित विमर्श
घ. आदिवासी विमर्श

इकाई II : कविता संग्रह : खुरदुरी हथेलियाँ **-** अनामिका

इकाई III : आत्मकथा : जूठन - ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई IV : उपन्यास : जहाँ बाँस फूलते हैं (मिजो जनजाति की पृष्ठभूमि पर) - श्रीप्रकाश मिश्र,

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. वाल्मीकि, ओमप्रकाश, 2008 ई. - **दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. मीनू, रजतरानी, 2011 ई. - **हिंदी दलित कथा साहित्य-अवधाराणाएँ और विधाएँ :** अनामिका प्रकाशन, दिल्ली
3. बेचैन, श्योराज सिंह, 2009 ई. - **उत्तर सदी के हिंदी कथा साहित्य में दलित विमर्श :** अनामिका प्रकाशन
4. गिल, जे॰ एस॰ (अनु॰ युगांक धीर), 2000 ई. - **स्त्री पराधीनता :** संवाद प्रकाशन, मेरठ

5. गुप्ता, रमणिका, 2013 ई. - **स्त्री विमर्श :** शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
6. जैन, अरविंद, 2009 ई. - **औरत होने की सज़ा :** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. शर्मा, क्षमा, 2010 ई. - **स्त्री का समय :** मेधा बुक्स सेंटर, दिल्ली
8. रमाबाई, पंडिता, 1995 ई. - **हिन्दू स्त्री का जीवन :** संवाद प्रकाशन, मुंबई
9. अनामिका, **खुरदुरी हथेलियाँ :** राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. वाल्मीकि, ओमप्रकाश, **जू□न :** राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मिश्र, श्रीप्रकाश, **जहाँ बांस फूलते हैं (मिजो जनजाति की पृष्□भूमि पर) :** लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

HIN-PG-E402

ख. तुलनात्मक भारतीय साहित्य एवं शैक्षणिक क्षेत्र कार्य एवं सर्वेक्षण

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: **क.** तुलनात्मक अध्ययन : अर्थ एवं स्वरूप
ख. तुलनात्मक अध्ययन का इतिहास
ग. भारत में तुलनात्मक अध्ययन की परंपरा
घ. हिंदी में तुलनात्मक अध्ययन की परंपरा और उसका विकास

इकाई II: प्रेमचंद के 'गोदान' और फ़कीर मोहन सेनापति के 'छह बीघा जमीन' उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन

अथवा

चंद्रकांता के 'कथा सतीसर' और इंदिरा गोस्वामी के 'छिन्नमस्ता' उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई III: मोहन राकेश के 'आषाढ़ का एक दिन' और गिरीश कर्नाड के 'तुगलक' नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई IV : **क.** सिक्किम के लोक साहित्य का हिंदी लोक साहित्य के साथ तुलनात्मक अध्ययन (विशेष सन्दर्भ : लोकगीत, लोककथा और लोक सुभाषित)
ख. शैक्षणिक क्षेत्र - कार्य एवं सर्वेक्षण : सामान्य परिचय
ग. शैक्षणिक क्षेत्र - कार्य एवं सर्वेक्षण का क्षेत्र एवं अध्ययन
घ. भ्रमण एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. चौधरी, इन्द्रनाथ, 2004, **तुलनात्मक साहित्य की भूमिका** : नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

2. सच्चिदानंद, के., 2001 ई. - **भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएँ** : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. नगेन्द्र, 1990 ई.- **भारतीय साहित्य** : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. शर्मा, रामविलास, 2001 ई.- **भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं** : वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. नगेन्द्र, 2005, **तुलनात्मक साहित्य**: नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

HIN-PG-E403

क. हिंदी सिनेमा और साहित्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: हिंदी सिनेमा :

क. उद्भव और विकास, विविध आयाम,

ख. कला फिल्मों एवं व्यावसायिक फिल्मों में अंतर,

ग. सिनेमा और साहित्य में अंतर तथा पारस्परिक संबंध

घ. हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी के साहित्यकारों का योगदान, हिंदी सिनेमा और परंपरा, हिंदी साहित्य और सिनेमा का पारस्परिक प्रभाव; साहित्य, सिनेमा और संस्कृति के पारस्परिक अंतःसंबंध

इकाई II: किन्हीं दो साहित्यिक कृतियों पर बनी फिल्मों का समीक्षात्मक अध्ययन

क. तीसरी कसम, देवदास

ख. चित्रलेखा, पिंजर

ग. गोदान, शतरंज के खिलाडी

घ. रजनीगंधा, सारा आकाश

इकाई III: हिंदी सिनेमा के गीत :

क. सिनेमा के गीतों और साहित्यिक गीतों में अंतर; हिंदी के साहित्यिक गीतों का हिंदी सिनेमा पर प्रभाव

ख. सिनेमा के गीत और हिंदी के साहित्यकार,हिंदी लोकगीतों का सिनेमा के गीतों पर प्रभाव

ग. सिनेमा के गीतों का हिंदी लोकगीतों पर प्रभाव

घ. हिंदी सिनेमा के गीतों की लोकप्रियता

इकाई IV : पटकथा :

क. अर्थ एवं आयाम, कथा एवं पटकथा का स्वरूप और लेखन

ख. कला, कथा के पटकथा में रूपांतरण की कला,

ग. फिल्मों की डबिंग,

घ. सिनेमा और साहित्य की भाषा में अंतर

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. जलछत्रि, नीरा, 2004 ई. - **साहित्य और सिनेमा में अंतर्संबंध** : शिल्पायन, दिल्ली
2. प्रसाद, कमला (सं.), 2013 ई. - **फिल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा** : शिल्पायन, दिल्ली
3. त्रिपाठी, सत्यदेव, 2011 ई. - **समकालीन फिल्मों के आइने में समाज** : शिल्पायन, दिल्ली
4. राग, पंकज, 2012 ई. - **धुनों की यात्रा,** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. अख्तर, जावेद, 2010 ई. - **सिनेमा के बारे में,** राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

HIN-PG-E403

ख. पर्यावरण शिक्षा एवं हिंदी काव्य

क्रेडिट-4 **अंक-100**

इकाई I: पर्यावरण :

क. अवधारणा एवं परिभाषा

ख. क्षेत्र

ग. आवश्यकता

घ. उपयोगिता

इकाई II: **क.** मृदा और जल, नदी, तलब, सागर आदि से संबंधित प्रदूषण के कारण

ख. समस्याएं और निदान

ग. वृक्ष एवं वन संबंधी प्रदूषण

घ. ग्रामीण और वन्य पादप, वन्य जीव-जंतु

इकाई III: प्राचीन भारतीय साहित्य में पर्यावरण संबंधी विचार :

क. वैदिक साहित्य

ख. पौराणिक साहित्य

ग. रामायण, भक्ति साहित्य

घ. भारतीय लोक संस्कृति और पर्यावरण

इकाई IV : **पर्यावरण परक काव्य :**

क. रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास (पाठ्य अंश- किष्किंधाकांड : दोहा संख्या- 14 से 17 तक)

ख. प्रतिनिधि कविताएँ- अरुण कमल (पाठ्य कविता- गंगा से प्यार)

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. व्यास, हरिश्चंद्र, 2000, **पर्यावरण शिक्षा** : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2. शर्मा, दामोदर, 2011 ई. - **आधुनिक जीवन और पर्यावरण** : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
3. व्यास, हरिश्चंद्र, 2013 ई.- **मानव और पर्यावरण** : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. शर्मा, श्याम सुंदर, 2008 ई.- **सागर प्रदूषण** : प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. चातक, गोविंद, 2005 ई.- **प्रकृति, संस्कृति और पर्यावरण**: नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. मिश्र, शिव गोपाल, 2014 ई. - **वायु प्रदूषण :** प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
7. त्रिपाठी, विश्वनाथ, 2005 ई. - **लोकवादी तुलसीदास :** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

HIN-PG-C404

लघुशोध प्रबंध (मौखिक परीक्षा सहित)

क्रेडिट-4 **अंक-100**

नोट -

1. इस प्रश्न - पत्र के लिए विषय विभाग के द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।
2. लघुशोध प्रबंध लेखन कार्य प्रभारी अध्यापक के दिशा - निर्देशन में किया जाएगा ।
3. इसके लिखित अंक 50 और मौखिक अंक 50 होंगे ।
4. शोध - प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी बाह्य परीक्षकों द्वारा संपंन्न होगी ।